an>

Title: Need to take steps for welfare of farmers.

श्री धर्मवीर (भिवानी-महेन्द्रगढ़) : अध्यक्ष जी, मैं सदन का ध्यान किसान की तरफ ले जाना चाहता हूं। ...(व्यवधान) बहुत वर्षों से देश का किसान गरीबी में है, ...(व्यवधान) दयनीय स्थिति में है। ...(व्यवधान) देश के प्रधानमंत्री जी चाहते हैं कि इनकी आमदनी दोगुणी कैसे हो सकती है। ...(व्यवधान) एक तरफ जब किसान थोड़ा पैसा हजार रुपये या लाखों रुपये लेता है और बैंक से डिफॉल्ट हो जाता है तो उसकी जमीन को वहां का बैंक कुर्क कर देता है दूसरी तरफ हजारों और लाखों करोड़ों रुपये कंपनी वाले लेने के बाद एनपीए घोषित करा देते हैं ...(व्यवधान) ताकि उसका ब्याज न लगे, मूलधन से भी कम में उसका समझौता हो जाता है। ...(व्यवधान) दूसरी तरफ किसान के कर्ज को बैंक एनपीए घोषित नहीं करते। माननीय अरूण जेटली को सुझाव है कि किसान के ऋण को भी एनपीए घोषित कराया जाए क्योंकि यह घाटे का सौदा है अगर यही हालात रहें तो देश का किसान खेती करना छोड़ देगा। बहुत-बहुत धन्यवाद। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :

श्री भैरों प्रसाद मिश्र और

श्री शरद त्रिपाठी को श्री धर्मवीर द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्रो. सुगत बोस - उपस्थित नहीं।